नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

मौसम के दो रूप : विंध्य में बारिश से हाहाकार, मालवा में बादलों का बेसब्र इंतजार

चित्रकूट तबाह, प्रभावितों से मिले सीएम

राहत के साथ तत्काल मुआवजे का किया ऐलान

नवभारत न्यूज

चित्रकूट, 30 अगस्त. रीवा संभाग में पिछले तीन दिनों से लगातार भारी बारिश से चित्रकूट राज्य के अन्य क्षेत्रों से पूरी तरह कट गया है. बाढ़ के कारण निचले इलाकों में जलभराव से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं.

इधर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को चित्रकूट में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया. वे शनिवार रात दिल्ली से सीधे रीवा पहुंच गए थे. उन्होंने वीसी के माध्यम वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बाढ़ की स्थिति को लेकर आपात बैठक की. सुबह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और चित्रकूट विकास प्राधिकरण के आश्रय स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से संवाद कर हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया. मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रभावित लोगों तक जरूरी मदद पहुंचाई जा रही है. बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है, जिसका आंकलन किया जा रहा है. प्रशासन के सभी संबंधित अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. सीएम ने कहा- मैंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए भोजन, पेयजल, चिकित्सा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं.

दोनों नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा

चित्रकूट में हुई भारी बारिश के कारण सेमरावल और मंदाकिनी नदी में बाढ़ की गंभीर स्थिति बन गई है. नदियों का पानी निचले इलाकों में लोगों के घरों में घुस गया, जिससे उनके सामान को काफी नुकसान पहुंचा है. हालांकि, प्रशासन की मुस्तैदी से इस स्थिति में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है. प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से कहा कि अतिवृष्टि के कारण दोनों नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है. राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है.

सर्वे के बाद आर्थिक मदद देगी सरकार

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मैं बीती रात रीवा में रुका था, राहत की बात है कि घटना के समय दिन था और मौसम के पूर्वानुमान के चलते प्रशासन पूरी तरह अलर्ट था. हमारी सतर्कता और प्रशासन की तत्परता से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. इस बाढ़ ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. फिलहाल हमारा पूरा ध्यान राहत और बचाव कार्यों पर है, जिससे जलस्तर कम होने के बाद प्रभावित लोगों को सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाया जा सके. जिन लोगों के पशुओं की हानि हुई है या अन्य नुकसान हुआ है, उसका सर्वे कराकर नियमानुसार आर्थिक सहायता दी जाएगी.

जल स्तर फिर बढ़ा, बाणसागर 6 गेट खुले

सीधी 30 अगस्त. बाणसागर बांध के 6 गेट खुलने से जल स्तर फिर बढने लगा है. बाणसागर बांध का गेट खुलने से सोन नदी में करीब 2454 क्यूमेक्स जल प्रवाह छोड़ा जाएगा. बाणसागर बांध के जल स्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए जल संसाधन विभाग द्वारा आज आधा दर्जन रेडियल गेटों को दोपहर खोल दिया गया. प्रत्येक गेट को दो-दो मीटर तक खोला गया है. आवश्यकता पडने पर इससे अधिक जल प्रवाह भी स्पिलओव्हर के माध्यम से सोन नदी में छोड़े जाने की बात भी कही गई है. दरअसल आज 30 अगस्त 2026 को सुबह 6 बजे बाणसागर बांध का जल स्तर 341.58 मीटर दर्ज किया गया था. जलाशय में लगातार पानी की आवक और कैचमेंट क्षेत्र में हो रही बारिश को देखते हुए बांध का निर्धारित जल स्तर बनाए रखने के लिए पानी सोन नदी में छोड़ा जा रहा है.

अगस्त सूखा निकला, इंदौर में पानी को लेकर गंभीर हालात

- यशवंत सागर, बड़ा बिलावली , सिरपुर सहित सभी तालाब खाली

वीरेंद्र वर्मा

इंदौर, 30 अगस्त. आज इस साल बारिश के तीन महीने खत्म हो रहे हैं, लेकिन शहर के सभी तालाब खाली पड़े हैं. बारिश का एक महीना बचा है, यदि भादौ में बारिश नहीं हुई तो शहर में पूरे साल के पानी की समस्या पैदा होने की आशंका बढ़ जाएगी . खास बात यह है कि पिछले पांच सालों के बाद इस साल सबसे कब बारिश हुई है. हर साल 30 अगस्त तक औसत बारिश का आंकड़ा 35 इंच पार हो जाता है, किंतु इस साल औसत से आधी 17.5 इंच बारिश हुई है.

मौसम केंद्र के अनुसार पानी गिरने का आंकड़ा भी 17.5 इंच को पार कर गया है, लेकिन शहर के प्रमुख तालाबों में पानी नहीं आया है. दो तालाब तो सूखे ही है, जिनमें पानी ही नहीं है. इसका बड़ा कारण तालाबों के आसपास पानी आने की चैनल पर अतिक्रमण या चैनलों का निर्माण के कारण बंद हो जाना है. शहर में पिछले पांच सालों अगस्त महीने पूरा सूखा गया है. अभी तक अगस्त महीने में सिर्फ तीन इंच बारिश वो भी फुरफुर बारिश और शहर के अलग अलग क्षेत्रों में गिरी है, मतलब यह है कि पूरे शहर

शहर के तालाब फुल टैंक लेबल से काफी दूर

नाम	वर्तमान स्थिति	क्षमता
यशवंत सागर	14 .5 फीट	19 फीट
पिपलियापाला	5 .6 फीट	22 फीट
बड़ा सिरपुर	10 .0 फीट	16 फीट
छोटा सिरपुर	13 .5 फीट	13 फीट
बड़ा बिलावली	10 .2 फीट	34 फीट
छोटा बिलावली	00 .0 फीट	12 फीट
लिंबोदी	00 .0 फीट	16 फीट

एक जैसी बारिश अभी तक नहीं हुई है. शहर में आज तक करीब 17.5 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है, लेकिन देखा जाए तो अगस्त का पूरा महीना लगभग सूखा ही रहा है. कम बारिश के कारण शहर के यशवंत सागर, सिरपुर और छोटा सिरपुर को छोड़कर बाकी सारे तालाब खाली पड़े है. उसमें भी दो तालाब में पानी ही नहीं आया, मतलब यह है कि सूखे ही है. आज सुबह तक यशवंत सागर में 14.5 फीट , छोटा सिरपुर पूरी क्षमता से एवं बड़ा सिरपुर में 10 फीट पानी ही भराया है. वहीं लिंबोदी और छोटा बिलावली तालाब सूखे है और वहां पानी का लेवल मानसून के शुरू होने से आज तक जीरो पर ही है. शहर में नगर निगम तालाबों में पानी आने की चैनल सफ़ाई और अतिक्रमण हटाने का लाख दावा करें, पर हकीकत बढ़ते पक्के निर्माण और सड़कों से तालाबों में पानी आने के रास्ते बंद हो गए है. तालाब कैचमेंट एरिया में कॉलोनियों और भारी बसाहट ने पानी आने रास्ता बहुत छोटा हो गया है. इसका परिणाम है कि दो तालाबों की छोड़कर बाकी तालाबों में 20 प्रतिशत भी पानी नहीं आया है और दो तालाब सूखे पड़े है.

एक नजर में

पूर्व सीएसपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

कटनी. जिले के बहुचर्चित जमीन सौदेबाजी और पद के दुरुपयोग मामले में घिरीं निलंबित नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया को जिला अदालत से झटका लगा है. कोर्ट ने सुनवाई करते हुए पच्चीसिया की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है.

कांग्रेस ने स्वास्थ्य मंत्री का मांगा त्यागपत्र

रीवा. रीवा मेडिकल कॉलेज में प्रसूता और नवजात शिशु की चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की लापरवाही के कारण मौत के मामले में कांग्रेस ने स्वास्थ्य मंत्री को दोषी ठहराया है. कांग्रेस ने इसके लिए जिम्मेदारों को सजा देने के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा मांगा है.

प्रॉपर्टी ब्रोकर को चाकू से गोदा

जबलपुर. गोहलपुर थाना अंतर्गत दमोहनाका में ठेले वाले ने प्रॉपर्टी ब्रोकर को चाकू से गोद दिया. हमले में घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया. पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है.

अस्पताल की लिफ्ट गिरी मरीज की मौत, हंगामा

रीवा के नेशनल हॉस्पिटल में दर्दनाक हादसा

नवभारत न्यूज

रीवा, 30 अगस्त. रीवा के नेशनल हॉस्पिटल में रात को पहली मंजिल पर ले जा रही लिफ्ट अचानक नीचे गिर गई. हादसे में गंभीर हालत में इलाज कराने पहुंचे 50 वर्षीय सुरेश सेन की मौत हो गई. मरीज की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजन आक्रोशित हो गए.

उन्होंने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और लिफ्ट के रखरखाव पर सवाल उठाते हुए हंगामा शुरू कर दिया. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी देर तक परिजनों को समझाने का प्रयास किया. करीब एक घंटे बाद मामला शांत हो सका.

मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र के लालपुर निवासी सुरेश सेन अपने परिजनों के साथ इलाज के लिए नेशनल हॉस्पिटल पहुंचे थे. उनकी तबीयत पहले से खराब थी और परिवार इलाज की उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचा था. परिजन उन्हें अस्पताल की पहली मंजिल पर ले जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुए थे. बताया जा रहा है कि लिफ्ट ऊपर जा रही थी, तभी अचानक उसमें तकनीकी खराबी आई और वह नीचे गिर गई. हादसे की आवाज सुनकर अस्पताल में मौजूद लोग भी मौके की ओर दौड़ पड़े.

प्रबंधन देगा 16 लाख रुपए मुआवजा

घटना के बाद पुलिस ने शव को पीएम के लिये संजय गांधी अस्पताल में रखवा दिया था. सुबह परिजन नर्सिंग होम के सामने धरने पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया. मौके पर पहुंची पुलिस एवं तहसीलदार ने समझाइश दी और परिजन एवं अस्पताल प्रबंधन के बीच हुई बैठक के बाद मामला शांत हुआ. 50 लाख मुआवजे की मांग कर रहे परिजन 16 लाख में मान गये. 15 लाख क्षतिपूर्ति राशि और 1 लाख अत्येष्टि के लिये देने की सहमति बनी, तब जाकर शव का पीएम हुआ. मैहर जिले के लालपुर निवासी सुरेश सेन पेड़ से गिरकर घायल हो गए थे. परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए बीती रात रीवा के नेशनल हॉस्पिटल में भर्ती कराया था. इलाज के लिए जब अस्पताल के कर्मचारी सुरेश को स्ट्रेचर पर लिटाकर ले जा रहे थे, तभी अस्पताल की लिफ्ट अचानक टूट गई.

टीईटी के विरोध में दिल्ली कूच कर रहे शिक्षकों को पुलिस ने रोका

नवभारत टीम

ग्वालियर, 30 अगस्त. टीईटी परीक्षा निरस्त करने की मांग को लेकर आज रविवार को दिल्ली में प्रस्तावित शिक्षक आंदोलन में शामिल होने जा रहे ग्वालियर चंबल अंचल के शिक्षकों को कई स्थानों पर पुलिस ने रोक दिया.

कैलारस में 300 से 400 शिक्षक बसों से दिल्ली के लिए रवाना हो रहे थे जिन्हें पुलिस ने रोककर थाने में बैठा लिया. वहीं श्योपुर में पुलिस की कार्रवाई के विरोध में शिक्षकों ने गांधी चौक पर प्रदर्शन किया. भिंड, मुरैना और ग्वालियर में भी दिल्ली जा रहे शिक्षकों को रोके जाने की जानकारी सामने आई है. इससे शिक्षकों में नाराजगी है और उन्होंने आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है. श्योपुर में दिल्ली

आंदोलन में शामिल होने के लिए रवाना हो रहे शिक्षकों को कोतवाली थाना पुलिस ने रोक दिया. इससे नाराज शिक्षक गांधी चौक पर एकत्रित हो गए.

भिंड, मुरैना में भी रोके

भिंड से दिल्ली जा रहे शिक्षकों की दो बसों को बस स्टैंड और सर्किट हाउस के पास रोके जाने की जानकारी मिली है. कुछ शिक्षक निजी वाहनों से दिल्ली के लिए रवाना हो गए. मुरैना के जौरा में भी शिक्षकों को दिल्ली जाने से रोका गया जिसके विरोध में उन्होंने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया.

शिवपुरी में शिक्षकों को नजरबंद किया

शिवपुरी में भी अपनी मांगों को लेकर जिले भर से करीब 1000 शिक्षक दिल्ली के लिए रवाना होने की तैयारी में थे. जिनमें कुछ शिक्षकों को पुलिस ने घरों में ही नजर बंद कर दिया और कुछ शिक्षक ग्वालियर में रोक दिए गए.

29 लाख की कोकीन के साथ महिला अरेस्ट

- बिजनेस वीजा पर 14 अगस्त को आई थी भारत
- मुंबई-इंदौर ड्रग कनेक्शन खंगाल रही पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. चंदन नगर पुलिस ने सिंहासा स्थित आईटी पार्क के पास नाइजीरियन महिला इम्यूनल जॉय को 57.18 ग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया है. जब्त मादक पदार्थ की कीमत 29 लाख रुपए से अधिक बताई गई है.

महिला 14 अगस्त को बिजनेस वीजा पर भारत आई थी और मुंबई के बांद्रा ईस्ट में अपनी बहन के साथ हेयर सैलून में काम कर रही

थी. पुलिस अब उसके मुंबई से इंदौर आने और ड्रग सप्लाई से जुड़े संपर्कों की पड़ताल कर रही है. रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के चलते चंदन नगर पुलिस की टीम थाना मोबाइल से भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगातार भ्रमण कर रही थी. इसी दौरान आईटी पार्क सिंहासा के पास काले रंग का बैग लेकर खड़ी विदेशी महिला पुलिस को संदिग्ध दिखाई दी. उसे रोककर पूछताछ की गई तो वह सुनसान जगह पर खड़े होने का संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी और हड़बड़ाकर अंग्रेजी में जवाब देने लगी.

विदेशी रिकॉर्ड की भी जांच

महिला के विदेशी नागरिक होने के कारण पुलिस उसके पासपोर्ट, वीजा, इमिग्रेशन स्टेटस, भारत में प्रवेश-निकासी रिकॉर्ड और यहां रहने से जुड़े दस्तावेजों का सक्षम एजेंसियों से सत्यापन करा रही है. इसके साथ ही मुंबई-इंदौर लिंक और कोकीन के स्रोत की जानकारी जुटाई जा रही है . जांच में सामने आने वाले ड्रग सप्लायर, स्थानीय संपर्क और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका के आधार पर कार्रवाई की जाएगी.

जबलपुर में एक्सपोर्ट सेंटर नहीं होने पर भड़के तन्खा

- केंद्र की सूची में शहर को नहीं किया शामिल
- मप्र के पांच जिलों में बनेगा एक्सपोर्ट सेंटर

नवभारत न्यूज

जबलपुर, 30 अगस्त. मप्र के 5 जिलों को एक्सपोर्ट सेंटर बनाने की योजना केन्द्र सरकार की है लेकिन सूची में जबलपुर का नाम नहीं है. जिसको लेकर सियासी पारा चढ़ गया है. राज्य सभा सांसद विवेक तंखा ने तंज कसा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि जबलपुर की उपेक्षा चरम पर है.

उन्होंने कहा कि क्या यह जबलपुर के साथ सोची समझी राजनीतिक साजिश है. इकोनॉमिकली और पॉलिटिकली कमजोर कर देने की. जबलपुर वासियों की उदारता और सहन शक्ति अब उसकी कमजोरी बन चुकी है.

विदित हो कि केंद्र सरकार की

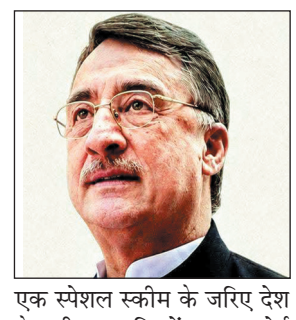

एक स्पेशल स्कीम के जरिए देश के करीब 500 जिलों का एक्सपोर्ट हब के रूप में डेवलपमेंट किया जाएगा.

मप्र के पांच जिल इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और नर्मदापुरम को इसके लिए चुना गया है. इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के निर्यात आधार को व्यापक बनाना और विदेशी बाजारों में एमएसएमई की पहुंच बढ़ाना है. इस सूची में जबलपुर का नाम नहीं है जबकि ब ी संख्या में कारोबारी विमान यात्रा करते हैं. जिसको लेकर जबलपुर की उपेक्षा पर सवाल उठने लगे हैं साथ ही निराशा भी छा गई है.

योजना के यह हैं फायदे

इस योजना के कई फायदे हैं जैसे कि कंपनियों का समय और पैसा दोनों बचेगा साथ ही निर्यात की प्रक्रिया आसान होगी. छोटे कारोबारियों की सबसे बड़ी दिक्कत नए बाजार खोजने में भी सहायता प्रदान की जाएगी. अब तक कई कंपनियां सिर्फ जानकारी के अभाव में निर्यात नहीं कर पाती थीं. प्रस्तावित ढांचे के तहत हर जिले में खास अधिकारी या नोडल टीम बनाई जाएगी. यह टीम कंपनियों को नियम-कानून समझने में मदद करेगी. क्वालिटी टेस्टिंग और इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स शामिल है. पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स में भी सहयोग दिया जाएगा. दस्तावेज तैयार करने में भी मदद मिलेगी लेकिन इस योजना की सूची से जबलपुर का नाम गायब होने सियासी पारा चढ चुका है .

सख्ती | हाईकोर्ट की सख्ती का असर, दूसरे दौर में 3 और 6 सितंबर को कोर सैंपलिंग

हाईटेक स्कैनिंग पूरी, अब कटेगी सड़कों की परत

सुनील गोयल

ग्वालियर, 30 अगस्त. ग्वालियर की जर्जर सड़कों की निर्माण गुणवत्ता अब सिर्फ आंखों से नहीं, तकनीकी जांच से परखी जाएगी. शहर की बदहाल सड़कों की निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल अब तकनीकी जांच की निर्णायक कसौटी तक पहुंच गए हैं.

हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद रविवार को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच तीन प्रमुख मार्गों की हाईटेक डिजिटल स्कैनिंग पूरी की गई. अब 3 और 6 सितंबर को कोर कटिंग और सैंपलिंग होगी. नेटवर्क सर्वे व्हीकल से सड़क की परतों से लिए गए नमूनों की जांच से यह सामने आएगा कि निर्माण में निर्धारित मानकों और सामग्री का कितना पालन हुआ. चेतकपुरी, झांसी रोड सहित जिन सड़कों के निर्माण के कुछ ही महीनों बाद जर्जर होने पर सवाल उठे हैं, उनकी गुणवत्ता की यह जांच अब पूरे मामले की तस्वीर साफ करेगी. सीनियर एडवोकेट अवधेश सिंह तोमर द्वारा दायर जनहित याचिका में चेतकपुरी, माधव नगर, झांसी रोड और बेटी बचाओ चौराहे सहित कई सड़कों के निर्माण के कुछ ही महीनों में खराब होने का मुद्दा उठाया गया था.

हाईकोर्ट के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय संयुक्त जांच टीम ने रविवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मैदानी कार्रवाई की. वकीलों के कमीशन और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच संबंधित मार्गों पर बैरिकेडिंग कर हाई-टेक कैमरों से डिजिटल स्कैनिंग की. इस दौरान तीन प्रमुख रूट विक्की फैक्ट्री से झांसी रोड तक, चेतकपुरी से सिंधिया महल गेट ततक और चेतकपुरी से एजी ऑफिस पुल तक की जांच की गई.

3 और 6 सितंबर को होगी सैंपलिंग

डिजिटल स्कैनिंग के आधार पर चिन्हित स्थानों से आगामी 3 और 6 सितंबर को कोर कटिंग कर सड़क के भौतिक सैंपल लिए जाएंगे. पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सैंपलिंग स्थल की जानकारी कार्रवाई शुरू होने से महज 30 मिनट पहले सार्वजनिक की जाएगी. इससे संबंधित ठेकेदार या एजेंसी को पहले से मरम्मत अथवा लीपापोती का अवसर नहीं मिलेगा. लिए गए सैंपलों को परीक्षण के लिए केंद्रीय परीक्षण प्रयोगशाला, मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग, ग्वालियर भेजा जाएगा.

ई-रिक्शा में प्रोफेसर की पत्नी के पर्स से 6 .5 लाख के जेवर उड़ाए

ग्वालियर. भिंड से ग्वालियर अपनी बीमार बहन से मिलने आई प्रोफेसर की पत्नी को चोर गिरोह ने शिकार बना लिया. तीन महिलाओं ने चलती ई-रिक्शा में ही उनके पर्स से साढ़े चार तोला सोने के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया. चोरी गए जेवरों की कीमत लगभग 6.5 लाख रुपये बताई जा रही है. घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के डीडी नगर स्थित कुशवाह मार्केट के पास की है. पुलिस के अनुसार, पीड़िता सीमा नरवरिया (30) पत्नी डॉ. हरनाम सिंह नरवरिया मूलत: भिंड के कृपे का पुरा की निवासी हैं. उनके पति डॉ. हरनाम सिंह अशोकनगर के चंदेरी कॉलेज में प्रोफेसर हैं.